RKSD College

In association with

Sahitya Sabha, Kaithal

A Glimpse: Invitation Cards, Photos & Media Coverage of Activities

साहित्य सभा, कैथल

(साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रचार-प्रसार हेतु संकल्पित संस्था)

(स्थापना वर्ष 1968)

अमृत लाल मदान
प्रधान
9466239164
224588

कमलेश शर्मा
उपप्रधान
9416253051
225244

डॉ. प्रद्युम्न भल्ला
सचिव
9812091069
225533

रिसाल जांगड़ा
संयोजक
9468228100
226688

रवीन्द्र कुमार 'रवि'
कोषाध्यक्ष
9996391469

डॉ. तेजिन्द्र
प्रैस सचिव
9416658454

श्रीमती सरोज जोशी
महिला प्रतिनिधि
9416659382

डॉ. अशोक अत्रि
सह सचिव
9416558150

सम्पर्क सूत्र:-
डॉ. प्रद्युम्न भल्ला
कृष्ण-प्रेम 508, सैक्टर 20
शहरी सम्पदा, कैथल (हरि.)
9812091069
pradumanbhalla67@gmail.com

क्रमांक.....

दिनांक 02-08-2022.

The Principal,
R.K.S.D. College,
Kaithal

Sub: Letter of thanks and appreciation

Sir,

It is my proud privilege to express my deep gratitude to you and the Mg. Committee of the College for allowing the Sahitya Sabha to hold monthly meetings and annual functions since its inception in 1968. This kind gesture of the college authorities has helped in awakening literary sensibilities in this area as poets and writers from nearby towns and villages have been participating regularly. This would not have been possible without the active cooperation of the College authorities in providing all sorts of facilities for the smooth functioning of the Sabha. Thanks once again,

(Amrit Lal Madan)
Pardhan. S. Sabha

साहित्य सभा कैथल

की ओर से

वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह

स्थान : आर. के. एस. डी. कॉलेज, कैथल (संध्याकालीन महाविद्यालय हॉल)

दिनांक : 26 नवम्बर 2017 रविवार प्रातः 10:00 बजे

मुख्य अतिथि : **कैप्टन शक्ति सिंह** (अतिरिक्त उपायुक्त, कैथल) I.A.S.

अध्यक्ष : **डॉ. चन्द्र त्रिखा**
(वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक, हरियाणा साहित्य अकादमी)

विशिष्ट अतिथि : **श्री राजकुमार सिंह** (सम्पादक, दैनिक ट्रिब्यून, चण्डीगढ़)
डॉ. लाल चन्द गुप्त मंगल (वरिष्ठ साहित्यकार, कुरूक्षेत्र)
डॉ. कंवल नयन कपूर (वरिष्ठ साहित्यकार, यमुनानगर)

आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

कार्यक्रम

* सरस्वती वंदना
* साहित्य विमर्श
* पुस्तक लोकार्पण
* कवि सम्मेलन
* सम्मान साहित्यकार
* पुस्तक पुरस्कार
* जलपान

लोकार्पित पुस्तकें

* हरियाणा का लोक सांस्कृतिक जीवन - रमेश चन्द पुहाल, पानीपत
* प्रायश्चित - हरिकृष्ण द्विवेदी, कुरूक्षेत्र
* काव्य संग्रह - अमृत लाल मदान, कैथल
* जिन्दगी में धूप-छाँव - डॉ. हरीश झंडई, कैथल
* छोड़ व्यर्थ की दौड़ - स्व. विजय कृष्ण राठी, कैथल

विनीत :

डॉ. ओ.पी. गर्ग (संरक्षक एवं प्राचार्य)
डॉ. प्रद्युम्न भल्ला (सचिव)
डॉ. तेजिन्द्र (प्रैस सचिव)
श्री अमृतलाल मदान (प्रधान)
डॉ. अशोक अत्रि (सहसचिव)
श्री रिसाल जांगड़ा (संयोजक)
श्री कमलेश शर्मा (उप प्रधान)
श्री रवीन्द्र कुमार 'रवि' (कोषाध्यक्ष)
श्रीमती सरोज जोशी (महिला प्रतिनिधि)

साहित्य सभा कैथल

स्वर्ण जयन्ती वर्ष 1968-2018

के उपलक्ष्य में

कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

दिनांक : 28 अक्तूबर 2018, रविवार, प्रातः 10.00 बजे

स्थान : आर.के.एस.डी. कॉलेज, अम्बाला रोड़ , कैथल

मुख्य अतिथि : डॉ. लाल चंद गुप्त 'मंगल'
वरिष्ठ संगीतज्ञ एवं पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग, कु.वि.वि. कुरूक्षेत्र

अध्यक्षता : डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ साहित्यकार एवं उपाध्यक्ष हरियाणा उर्दू साहित्य अकादमी पंचकूला
डॉ. अभय मौर्य
पूर्व कुलपति अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद

विशिष्ट अतिथि : श्री साकेत मंगल, एडवोकेट
प्रधान, आर.के.एस.डी. कॉलेज प्रबन्धक समिति कैथल
श्री अरूण नैथानी
साहित्य संपादक, दैनिक ट्रिब्यून चण्डीगढ़
डॉ० राणा गन्नौरी प्रख्यात शायर, दिल्ली

कार्यक्रम

* सरस्वती वंदना
* साहित्य-विमर्श
* पुस्तक लोकार्पण
* कवि सम्मेलन
* सम्मान समारोह
* प्रीतिभोज

आधार प्रकाशन, पंचकूला; सप्तऋषि प्रकाशन, चण्डीगढ़; सुकीर्ति प्रकाशन, कैथल के सहयोग से पुस्तक एवं पत्र-पत्रिका प्रदर्शनी

साहित्य सभा कैथल

स्थापना वर्ष 1968

कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

दिनांक : 24 नवम्बर 2019, रविवार, प्रातः 10.30 बजे

स्थान : आर.के.एस.डी. कॉलेज, अम्बाला रोड़ , कैथल

मुख्य अतिथि : श्री लीला राम जी
विधायक, कैथल

अध्यक्षता : डॉ. रामशरण गौड़
अध्यक्ष, दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
डॉ. चन्द्र त्रिखा
उपाध्यक्ष एवं निदेशक हरियाणा उर्दू अकादमी, पंचकूला

विशिष्ट अतिथि : श्री सतीश बंसल, F.C.A.
सुप्रसिद्ध उद्योगपति कैथल
डॉ० कंवलनयन कपूर
प्रख्यात साहित्यकार, यमुनानगर

***

समारोह में आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

विनीत :

डॉ. संजय गोयल — संरक्षक एवं प्राचार्य
प्रो. अमृतलाल मदान — प्रधान
श्री कमलेश शर्मा — उप प्रधान
डॉ. प्रद्युम्न भल्ला — सचिव
डॉ. अशोक अत्रि — सहसचिव
श्री रविन्द्र 'रवि' — कोषाध्यक्ष
डॉ. तेजिन्द्र — प्रैस सचिव
श्री रिसाल जांगड़ा — संयोजक
श्रीमती मधु गोयल — महिला प्रतिनिधि

सम्पर्क सूत्र : डॉ० प्रद्युम्न भल्ला 9812091069, श्री कमलेश शर्मा 9416253051

साहित्य सभा कैथल

स्थापना वर्ष 1968

कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

दिनांक : 20 दिसम्बर, 2020, रविवार, प्रातः 10.30 बजे

स्थान : आर.के.एस.डी.कॉलेज, अम्बाला रोड़, कैथल

मुख्य अतिथि : डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा 'नाज़िम'
वरिष्ठ भाषाविद्, साहित्यकार एवं आध्यात्मिक व्यक्तित्व

अध्यक्षता : डॉ. चन्द्र त्रिखा
निदेशक, हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं हरियाणा उर्दू अकादमी, पंचकूला

विशिष्ट अतिथि : श्री कैलाश भगत
सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी
चेयरमैन हैफेड, हरियाणा सरकार

आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

विनीतः

डॉ. संजय गोयल — संरक्षक एवं प्राचार्य
प्रो. अमृतलाल मदान — प्रधान
श्री कमलेश शर्मा — उप-प्रधान
डॉ. प्रद्युम्न भल्ला — महासचिव
डॉ. अशोक अत्रि — सहसचिव
श्री रविन्द्र 'रवि' — कोषाध्यक्ष
डॉ. तेजिन्द्र — प्रैस सचिव
श्री रिसाल जांगड़ा — संयोजक
श्रीमती मधु गोयल — महिला प्रतिनिधि

सम्पर्क सूत्र : डॉ. प्रद्युम्न भल्ला 9812091069, श्री कमलेश शर्मा 9416253051

यह कार्यक्रम हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला के सहयोग से किया जा रहा है।

साहित्य सभा कैथल

स्थापना वर्ष 1968

हरियाणा साहित्य अकादमी के सहयोग से

कवि सम्मेलन, पुस्तक लोकार्पण एवं सम्मान समारोह

दिनांक : 27 नवम्बर 2021, शनिवार, प्रातः 10.30 बजे

स्थान : आर.के.एस.डी. कॉलेज हॉल, अम्बाला रोड़ , कैथल

मुख्य अतिथि : श्री माधव कौशिक
उपाध्यक्ष, केंद्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

अध्यक्षता : डॉ. चन्द्र त्रिखा
निदेशक, हरियाणा साहित्य अकादमी एवं उर्दू अकादमी पंचकुला

विशिष्ट अतिथि : श्री कैलाश भगत
चेयरमैन, हैफेड हरियाणा सरकार

श्री साकेत मंगल, एडवोकेट
चेयरमैन, आर.के.एस.डी. शिक्षा संस्थान समूह, कैथल

***

समारोह में आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

विनीत :

डॉ. संजय गोयल संरक्षक एवं प्राचार्य	प्रो. अमृतलाल मदान प्रधान		कमलेश शर्मा उप प्रधान
डॉ. प्रद्युम्न भल्ला महासचिव	डॉ. अशोक अत्री सहसचिव	रविन्द्र 'रवि' कोषाध्यक्ष	डॉ. तेजिन्द्र प्रैस सचिव
रिसाल मांगट्टा संयोजक	मधु गोयल 'मधुल' महिला प्रतिनिधि	ईश्वर चन्द गर्ग कार्यकारिणी सदस्य	डॉ. हरीश झंडई कार्यकारिणी सदस्य

सम्पर्क सूत्र : डॉ० प्रद्युम्न भल्ला 9812091069, श्री कमलेश शर्मा 9416253051

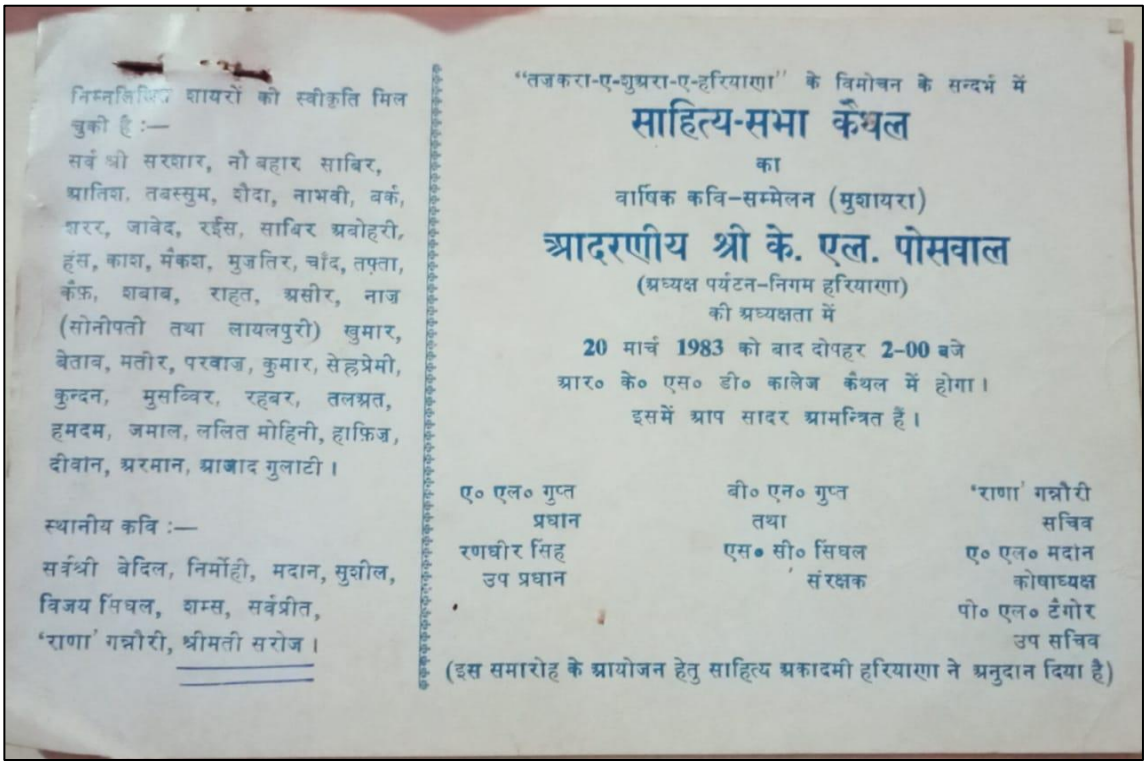

निम्नलिखित शायरों को स्वीकृति मिल चुकी है :—

सर्व श्री सरशार, नौ बहार साबिर, आतिश, तबस्सुम, शैदा, नाभवी, बर्क, शरर, जावेद, रईस, साबिर अबोहरी, हंस, काश, मैकश, मुजतिर, चाँद, तफ़्ता, कैफ़, शबाब, राहत, असीर, नाज (सोनीपती तथा लायलपुरी) खुमार, बेताब, मतीर, परवाज, कुमार, सेहरप्रेमी, कुन्दन, मुसव्विर, रहबर, तलअत, हमदम, जमाल, ललित मोहिनी, हाफ़िज, दीवान, अरमान, आजाद गुलाटी।

स्थानीय कवि :—

सर्वश्री बेदिल, निर्मोही, मदान, सुशील, विजय सिंघल, शम्स, सर्वप्रीत, 'राणा' गन्नौरी, श्रीमती सरोज।

"तजकरा-ए-शुअरा-ए-हरियाणा" के विमोचन के सन्दर्भ में

साहित्य-सभा कैथल

का

वार्षिक कवि-सम्मेलन (मुशायरा)

आदरणीय श्री के. एल. पोसवाल

(अध्यक्ष पर्यटन-निगम हरियाणा)

की अध्यक्षता में

20 मार्च **1983** को बाद दोपहर **2-00** बजे

आर० के० एस० डी० कालेज कैथल में होगा।

इसमें आप सादर आमन्त्रित हैं।

ए० एल० गुप्त प्रधान	बी० एन० गुप्त तथा	'राणा' गन्नौरी सचिव
रणधीर सिंह उप प्रधान	एस० सी० सिंघल संरक्षक	ए० एल० मदान कोषाध्यक्ष
		पो० एल० टैगोर उप सचिव

(इस समारोह के आयोजन हेतु साहित्य अकादमी हरियाणा ने अनुदान दिया है)

Very old Invitation card of Sahitya Sabha

साहित्य सभा कैथल
द्वारा आयोजित
कवि सम्मेलन
15 अप्रैल 2000
स्थान: आर. के. एस. डी. कालेज, कैथल

साहित्य सभा कैथल
द्वारा आयोजित
कवि सम्मेलन

कैथल के दिवंगत शायर
साहित्य सभा कैथल
बहुभाषायी कवि सम्मेलन
20 अगस्त 2017, रविवार, प्रातः 10.30 बजे

साहित्य सभा कैथल
बहुभाषायी कवि सम्मेलन

साहित्य सभा कैथल
(1968–2018)
स्वर्ण जयन्ती
समारोह

(1968–2018)
स्वर्ण जयन्ती
समारोह
आर.के.एस.डी. (पी.जी.) कॉलेज, अम्बाला रोड

साहित्य सभा कैथल
(स्थापना वर्ष 1968)
बहुभाषाई कवि सम्मेलन

साहित्य सभा कैथल
(स्थापना वर्ष 1968)
बहुभाषाई कवि सम्मेलन
एवं सम्मान समारोह

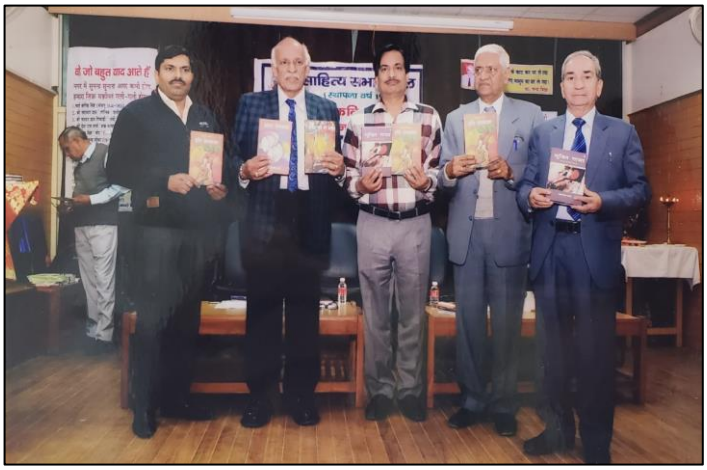

पंजाब (कैथल) केसरी, सोमवार, 13 दिसम्बर 2021 पृ० III

जिन्हें आपकी रहनुमाई मिली, वही जिंदगी जिंदगी हो गई...

साहित्य सभा द्वारा मासिक गोष्ठी आयोजित

साहित्य सभा द्वारा आयोजित गोष्ठी में भाग लेते साहित्यकार। (मित्तल)

कैथल, 12 दिसम्बर (मित्तल) : आर.के.एस.डी. कॉलेज कैथल में स्थानीय साहित्यिक संस्था साहित्य सभा की इस वर्ष की अंतिम मासिक गोष्ठी संपन्न हुई। गोष्ठी के आरंभ में सी.डी.एस. बिपिन रावत सेनाध्यक्ष को नम आंखों से 2 मिनट का मौन रखकर शांति पाठ के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गई तत्पश्चात साहित्य सभा के कवियों ने इस माह आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन पर बातचीत की। इसके अतिरिक्त इस मास में साहित्य सभा के लेखकों की उपलब्धियों का जिक्र भी सभी लेखकों ने संक्षेप में किया। तत्पश्चात कवि गोष्ठी का सिलसिला आरंभ हुआ।

कार्यक्रम का संचालन डा. प्रद्युम्न भल्ला ने किया। मुख्यातिथि के रूप में डा. हरीश झंडई उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अमृतलाल मदान ने की। गोष्ठी की शुरुआत करते हुए डा. भल्ला ने एक रूहानी गीत की पंक्तियों से कुछ यूं अपने भाव व्यक्त किए : जिन्हें आपकी रहनुमाई मिली, वही जिंदगी जिंदगी हो गई, भटकन बहुत थी मेरे मेहरबां, तेरा दर मिला बंदगी हो गई। गोष्ठी को आगे बढ़ाते हुए रविंद्र कुमार रवि ने अपनी गजल कुछ इस तरह पेश की : जब यह देखा मेरी बेबसी बढ़ रही, मेरे यारों की इतनी खुशी बढ़ रही।

गोष्ठी में सतीश वर्मा माजरा ने अपने मन की बात कुछ ऐसे की : मैदान-ए-जंग में हूं दुश्मन से निपट कर आऊंगा, घर लौट के आया तो तिरंगे में लिपट कर आऊंगा। गोष्ठी को आगे बढ़ाते हुए सुरजीत ठाकुर करोड़ा ने अपनी बात कुछ इस तरह कही : सत्ता में लाओ यारो, छात्र राजनीति की लहर विजेता बनकर। इसी प्रकार गोष्ठी को आगे बढ़ाते दिनेश बंसल पूंडरी ने भी अपनी बानगी इस तरह व्यक्त की : गर्दिश के दौर में भी सफीना संभाल कर, ले आया मैं तूफान से कश्ती निकाल कर। इसी कड़ी में अनिल कौशिक क्योड़क ने अपने भाव कुछ इस तरह रखे : भविष्य सुखद लौटे वह, लिए चेहरे पर लाली, चंदा को चांदनी मिल गई, छटी अमावस काली।

इसी कड़ी में नीरू मेहता ने अपने भाव कुछ इस तरह रखे : सुलझाने जीवन का पथ, सारथी बन खुद खींचे रथ, राह तुम्हें दिखलाने को, जीवन का पाठ पढ़ाने को, स्वयं कृष्ण आते हैं। गोष्ठी को आगे बढ़ाते हुए सतपाल पराशर आनंद करोड़ा ने कुछ इस तरह से अपने भाव व्यक्त किए : दूर कहीं भंवरा गाता है लिख लेता हूं, कैसे-कैसे दिल आता है लिख लेता हूं।

इसी प्रकार चतरभुज बंसल ने अपनी बात इस तरह रखी : वैद, हकीम, डॉक्टर भी, चाहे जितना जोर लगा ले, जिसकी फूट तै टूट गई, उसने कौण बचा ले। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सूरजभान शांडिल्य ने पहली बार गोष्ठी में शिरकत करते हुए अपने मन के भाव कुछ इस तरह रखे : गुलाबों में है तेरी खुशबू, गुरु रूप में तू है रू-ब-रू।

इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए गोष्ठी में टी.सी. अग्रवाल करनाल से पधारे व उन्होंने अपनी बात इस तरह रखी : जिंदगी जिस की अमानत है, बस उसी की बात कर, कुछ भी गुजरे तेरे ऊपर, बस उसी को याद कर। महेंद्र पाल सारस्वत पाई ने अपनी बात कुछ इस तरह की : जिनको सच्चा प्रेम वतन का ख्याल है, वही भारत मां के असली लाल हैं। कार्यक्रम के मुख्यातिथि ने अपनी रचना पेश करते हुए कुछ यूं कहा : कैसी है कुदरत की अनहोनी घटना, चली गई है वतन की खुशबू।

इसी प्रकार अमृतलाल मदान ने अपनी बात रखते हुए कुछ यूं कहा : चाह रही बिछ जाऊं मैं भी, वीरों के उस पथ पर जाकर। गोष्ठी में कमलेश शर्मा, ओमपति मोर, डा.ओ.पी. सैनी, दिलबाग अकेला व अशोक अत्री आदि ने भी अपना काव्य पाठ कर उपस्थितजनों को आनंदित किया।

पंजाब (कैथल) केसरी सोमवार 9 अक्टूबर 2017 पृ० III

साहित्य सभा द्वारा काव्य-गोष्ठी आयोजित

» बाबाओं का जिक्र मुझ पर यूं असर कर गया,... लिखा था आश्रम, आसाराम पढ़ गया।

कैथल, 8 अक्तूबर (मित्तल): साहित्य सभा द्वारा आर.के.एस.डी. कालेज के अध्यापक-कक्ष में प्रो. अमृतलाल मदान की अध्यक्षता में मासिक काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जींद के कथाकार-उपन्यासकार नरेश कुमार ने विशेष रूप से शिरकत की। गोष्ठी का संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। गोष्ठी के आरंभ में श्यामसुंदर शर्मा ने रिसाल जांगड़ा को उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। अपनी बात श्याम सुंदर शर्मा ने इन काव्य-पंक्तियों में रखी कि आज मुझे कहने दो, पत्थर दिल नहीं बन सकता, करुणामूर्ति ही रहने दो। कटु वचनों की चोट से आहत वृद्ध की व्यथा चतुर्भुज बंसल सौभा की इन पंक्तियों में देखिए कि क्यों पड़ी ढेरी बूढ़े की, कुछ ना बाकी रहरी, सुण-सुण के बोल्यां नै सबके, चोट लाग रही गहरी। करवाचौथ को लेकर रविंद्र रवि ने कहा कि करवाचौथ के दिन पति, एक दिन का मालिक होता है, अन्यथा उसका परमेश्वर ही मालिक होता है। वातावरण में तैरते बाबाओं के जिक्र को लेकर डा. तेजिंद्र ने कहा कि बाबाओं का जिक्र मुझ पर यूं असर कर गया, लिखा था आश्रम, आसाराम पढ़ गया। पति-पत्नी के संबंध के बारे में डा. अशोक अत्री ने कहा: पति-पत्नी का संबंध आओ जानें, आग का दरिया है या अमृत-कुंड माने। रिसाल जांगड़ा की हरियाणवी गजल के दो शेर देखिए कि नहीं तनै जे देणा आवै, ले ले मेरा सलाम झकोई, पत्थर सै तो, पर तिर ज्यैगा, पत्थर पै लिख राम झकोई। दीपावली पर्व पर शुभकामनाएं देते हुए डा. हरीश झंडई ने कहा: आज है दीपावली का पर्व घर हो मन मंदिर, स्वच्छता का हो वास, दिलों में हो विश्वास। करवाचौथ को लेकर सरोज जोशी ने कहा: किसी के लिए करवाचौथ, किसी के लिए कड़वी चौट। कमलेश शर्मा की कविता की पंक्तियां देखिए: गीले अंधेरे में, धीरे-धीरे घुलता जा रहा है मेरा अस्तित्व, लगता है कोई, अंधेरे का लबादा ओढ़े, दबे पांव बढ़ रहा है मेरी तरफ। नरेश कुमार ने अपनी एक कहानी का अंश पढ़कर वाहवाही बटोरी। विकास कौशल की रचना के साथ गोष्ठी का समापन हुआ। गोष्ठी में ईश्वर चंद गर्ग, बालकवि युवराज, दिलबाग सिंह बाग, चेतन चौहान व सतीश शर्मा आदि ने अपनी-अपनी रचनाओं का पाठ किया।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, सोमवार, 29 अक्तूबर, 2018

दैनिक ट्रिब्यून चंडीगढ़ सोमवार 29 अक्टूबर 2018 पृ० 3

'समाज में चेतना जगाये साहित्य'

कैथल, 28 अक्तूबर (हप्र)

अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति डॉ अभय मौर्य ने कहा कि पुस्तक पठन की प्रगति को जन आंदोलन का रूप लेना होगा। वह आरकेएसडी कालेज में आयोजित कैथल साहित्य सभा के स्वर्ण जयंती समारोह में बतौर अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में पधारी लेखिका एवं पानीपत की डीसी सुमेधा कटारिया ने कहा कि लिखना एक पावन अनुभव है और लेखक समाज का दर्पण समाज को दिखाने की ताकत रखता है। हरियाणा उर्दू अकादमी के निदेशक डा. चंद्र त्रिखा ने इस अवसर पर कहा कि आज बहुत से सवाल समाज के सामने हैं और इन सवालों का जवाब देने के लिए हमें आत्मवलोकन करने की जरूरत है।

दिल्ली से पधारे डा. राणा प्रताप गन्नौरी ने कहा कि सहित्य सभा जैसी संस्थाएं जो 50 वर्ष लंबा सफर तय करती है वे समाज के लिए विशेष कैथल शहर के लिए एक मील का पत्थर है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लालचंद मंगल ने आज के दौर मे पुस्तकों की अनिवार्यता एवं साहित्य के माध्यम से समाज मे चेतना पैदा करने के प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि आज समाज को ऐसी संस्थाओं की जरूरत है जो साहित्य के माध्यम से व्यक्ति को व्यक्ति से जोड़ने का प्रयास करती है। इस कार्यक्रम मे हरियाणा के 23 साहित्यकारों को विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया गया।

स्वर्ण जयंती समारोह में जुटे साहित्यकार, कवि, शिक्षाविद्

इस अवसर पर सिरसा के रूप देवगुण को साहित्य सभा द्वारा आजीवन साहित्य सम्मान प्रदान किया गया। दैनिक ट्रिब्यून के वरिष्ठ पत्रकार अरुण नैथानी व पत्रकार नवीन मल्होत्रा (कैथल) को धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान से नवाजा गया। गुरुग्राम की डा. मुक्ता को दयाल चंद मदान, पंचकूला के देश निर्मोही को बाबूराम गुप्ता, रोहतक के हरनाम शर्मा को देशराज शर्मा अब्र सीमाबी, करनाल के अशोक भाटिया को बृजभूषण भारद्वाज, नसीब सैनी को डा. दामोदर वशिष्ठ स्मृति पत्रकारिता सम्मान, पंचकूला की सरोज कृष्ण को माता राम बाई, इंदु गुप्ता को डा. ओमप्रकाश बंसल, आशा लता को अजमेर मोर सम्मान दिया गया।

दैनिक भास्कर पानीपत, सोमवार 29 अक्टूबर, 2018 | 02

अरुण नैथानी व नवीन मल्होत्रा को धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान मिला

समारोह में पुरस्कार देकर कैथल के नवीन मल्होत्रा को सम्मानित करती मुख्यातिथि।

कैथल | साहित्य सभा कैथल के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में स्वर्ण जयंती वर्ष कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को आरकेएसडी कालेज में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्यातिथि डीसी पानीपत सुमेधा कटारिया, डॉ. लालचंद और अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं उपाध्यक्ष हरियाणा उर्दू अकादमी डॉ. चंद्र त्रिखा व डॉ. अभय मौर्य ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि अरुण नैथानी और राणा प्रताप गन्नौरी रहे।

साहित्य सभा के अध्यक्ष प्रो अमृतलाल मदान और उप प्रधान कमलेश शर्मा ने बताया कि सम्मान समारोह में लाला निरंजन दास व सुमित्रा देवी स्मृति साहित्य गौरव सम्मान सिरसा के साहित्यकार डॉ देवगुण को दिया। पत्रकारिता में लंबे समय तक कार्य करने के लिए धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान से दैनिक ट्रिब्यून चंडीगढ़ के अरुण नैथानी और कैथल के नवीन मल्होत्रा को सम्मानित दिया। साहित्यकारों में गुरुग्राम के डॉ. मुक्ता को दयाल चंद स्मृति साहित्य सम्मान, पंचकूला के देश निर्मोही को बाबू राम गुप्ता स्मृति साहित्य सम्मान, रोहतक के हरनाम शर्मा को देश राज शर्मा अब्र सीमाबी स्मृति साहित्य सम्मान, सोनीपत के डॉ. कमलेश शर्मा को माता इकबाल कोर स्मृति साहित्य सम्मान, करनाल के अशोक भाटिया को बृज भूषण भारद्वाज स्मृति साहित्य सम्मान, पंचकूला की सरोज कृष्ण को माता राम बाई स्मृति साहित्य सम्मान, फरीदाबाद की डॉ. इंदु गुप्ता को डॉ. ओम प्रकाश बंसल स्मृति साहित्य सम्मान, रोहतक की आशा खत्री लता को अजमेर मोर स्मृति साहित्य सम्मान, टोहाना के नवल सिंह नवल को आईसी अरोड़ा स्मृति साहित्य सम्मान, कुरुक्षेत्र के डॉ. जीवन बक्शी को रामचंद झंडई स्मृति सम्मान, पंचकूला के चंद्र भार्गव को मीनू सिंघल स्मृति सम्मान, कैथल के शमशेर को प्रज्ञा साहित्य मंच सम्मान, सेरधा के बलजीत कुल को राम गोपाल पांडेय स्मृति साहित्य सम्मान, पाई के मोहिंदर पाल सारस्वत को जगदीश राम स्मृति सम्मान, रोहतक के डॉ. अजय बल्हारा को विजय कृष्ण राठी स्मृति साहित्य सम्मान, कैथल के पत्रकार नसीब सैनी को डॉ. दामोदर वशिष्ठ स्मृति पत्रकारिता सम्मान, पूंडरी के दिनेश बंसल को स्वदेश दीपक स्मृति पुस्तक सम्मान, जींद के नरेश चौधरी को डॉ. भगवनदास निर्मोही स्मृति पुस्तक सम्मान, क्योड़क के हरिदत्त हर्बिश को राकेश वत्स स्मृति पुस्तक सम्मान और यमुनानगर के चरण जीत चांदवाल को प्रज्ञा साहित्य मंच पुस्तक सम्मान दिया गया।

दैनिक भास्कर 29 अक्टूबर 2018 पृ० 2

IV

दैनिक जागरण पानीपत, 29 अक्टूबर 2018

सम्मेलन | कैथल साहित्य सभा के स्वर्ण जयंती समारोह में बोले केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति

पुस्तक पाठन को लेना होगा जन आंदोलन का रूप

जागरण संवाददाता, कैथल : केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति डॉ. अभय मौर्य ने कहा कि पुस्तक पठन की प्रगति को जन आंदोलन का रूप लेना होगा। आज पुस्तक संस्कृति लुप्त होती जा रही है। सोशिल का प्रभाव युवा पीढ़ी पर अत्यधिक देखने में आ रहा है। अभय मौर्य कैथल आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा के स्वर्ण जयंती समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सभा में प्रदेशभर से पहुंचे साहित्यकारों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुई लेखिका एवं डीसी पानीपत सुमेधा कटारिया ने कहा कि लेखक समाज का दर्पण होता है। साहित्य सभा जैसी संस्थाएं ऐसी अलख जगाने का कार्य कर रही है। हरियाणा उर्दू साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. चंद्र त्रिखा ने कहा कि हमारी संस्कृति और परिवेश का पूरा परिचय हमें पुस्तकों से मिलता है।

साहित्यकारों को शॉल भेंट कर सम्मानित करते अतिथि। जागरण

कवियों ने बिखेरे काव्य के रंग

आरकेएसडी कॉलेज में बहु भाषाई कवि सम्मेलन में स्थानीय एवं बाहर से आमंत्रित कवियों ने काव्य के रंग बिखेरे। कवि बिरहर सिंह मलिक ने पंजाबी भाषा में कविता पाठ करते हुए कहा कि किताब जानता ने बर्बाद आदमी नूं, प्यार ही कर रहा है आबाद आदमी नूं। राम कुमार आत्रेय ने कहा कि जहां भूख थी, प्यास थी, खिलखिलाती धूप थी, वहां मैं था। संस्था के प्रधान अमृतलाल मदान ने साहित्यकारों का आभार व्यक्त किया।

इन्हें मिला सम्मान

कार्यक्रम में सिरसा के रूप देवगुण को साहित्य सभा की ओर से आजीवन साहित्य सम्मान प्रदान किया गया। साहित्यकार एवं पत्रकार अरुण नैथानी व नवीन मल्होत्रा कैथल को धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान से नवाजा गया। गुरुग्राम की डॉ. मुक्ता को दयाल चंद मदान, देश निर्मोही पंचकूला को बाबूराम गुप्ता, हरनाम शर्मा रोहतक को देशराज शर्मा अब्र सीमाबी, अशोक भाटिया करनाल को बृजभूषण भारद्वाज, सरोज कृष्ण पंचकूला को माता राम बाई, इंदु गुप्ता को डॉ. ओमप्रकाश बंसल, आशा खत्री लता को अजमेर मोर, जीवन बख्शी को रामचंद्र झंडई, शमशेर कैथल को प्रज्ञा साहित्य मंच, बलजीत कुल को रामगोपाल पांडे, मोहिंदर पाल सारस्वत पाई को जगदीश राम स्मृति, डॉ. अजय बल्हारा को विजय कृष्ण राठी व नसीब सैनी को स्वदेश दीपक सम्मान से नवाजा गया।

साहित्य सभा कैथल के लिए मील का पत्थर

दिल्ली से पहुंचे डॉ. राणा प्रताप गन्नौरी ने कहा कि साहित्य सभा जैसी संस्थाएं जो 50 वर्ष लंबा सफर तय करती हैं, वे समाज के लिए विशेषकर कैथल शहर के लिए एक मील का पत्थर है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लालचंद मंगल ने आज के दौर में पुस्तकों की अनिवार्यता एवं साहित्य के माध्यम से समाज में चेतना पैदा करने के प्रयासों पर जोर दिया। करीब चार घंटे चले इस कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के 23 साहित्यकारों को विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया गया। संचालन डॉ. प्रद्युम्न भल्ला ने किया।

दैनिक जागरण पानीपत 29 अक्टूबर 2018 पृ० IV

mycity सोमवार • 29.10.2018 **कैथल**

साहित्य सभा कैथल के 50 साल पूरे होने पर मनाया स्वर्ण जयंती सम्मान समारोह

रूस में वाइस चांसलर रहे कैथल के अभय मौर्य सहित साहित्य की कई बड़ी हस्तियों ने की शिरकत

साहित्य सभा के स्थापना के पचास वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम में प्रस्तुति देती नन्ही बच्ची।

साहित्य सभा के स्थापना के पचास वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकार।

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल। साहित्य सभा द्वारा रविवार को अपनी स्थापना के 50 साल पूरे होने पर स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन सहित साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में किया गया।

जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व हरियाणा उर्दू साहित्य अकादमी पंचकूला के उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रत्रिखा, अंग्रेजी व विदेशी भाषा ज्ञाता केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद से पूर्व कुलपति डॉ. अभय मौर्य ने की। समारोह के मुख्यातिथि पानीपत की डीसी सुमेधा कटारिया, पूर्व विभागाध्यक्ष कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से लालचंद गुप्ता व विशिष्ट अतिथि आरकेएसडी कॉलेज की प्रबंधक समिति के प्रधान साकेत मंगल एडवोकेट, साहित्यिक संपादक अरुण नैथानी व दिल्ली से प्रख्यात शायर डॉ. राणा गन्नौरी ने समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम में सभा के 50 साल पूरे होने पर सभा के संस्थापक मंडल में शामिल प्रो. अमृत लाल मदान ने सभा की अब तक की यात्रा का जिक्र किया। मुख्य वक्ताओं में डॉ. चंद्र त्रिखा, डॉ. अभय मौर्य, पानीपत की डीसी सुमेधा कटारिया ने सभा सदस्यों को इतनी लंबी सफलतापूर्वक तय की गई यात्रा के लिए बधाई दी और भविष्य में साहित्य साधना के इस कार्य को इसी तरह से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि आज के दौर में किताबों के लिखने के साथ-साथ पढ़ने पर जोर देना होगा। पढ़ने की रुचि पैदा करने के लिए अभियान चलाने होंगे।

डॉ. चंद्र त्रिखा ने उदाहरण देकर बड़े साहित्यकारों निराला, रामधारी सिंह दिनकर, माखन लाल चतुर्वेदी के अंतिम दिनों की मुफलिसी याद दिलाई और आह्वान किया कि साहित्य को आजीविका का माध्यम भी बनाएं और ऐसा साहित्य लिखें, जो समाज को साथ लेकर चले। लोग इस साहित्य को पढ़ें और साहित्यकारों को आमदनी भी हो। समारोह में आधार प्रकाशन पंचकूला, सप्तर्षि प्रकाशन चंडीगढ़ व सुकीर्ति प्रकाशन कैथल के सहयोग से पुस्तक व पत्र-पत्रिका प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इन साहित्यकारों को मिला सम्मान

लगभग 4 घंटे चले इस कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के 23 साहित्यकारों को विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रद्युम्न भल्ला ने किया। सिरसा के रूप देवगुण को साहित्य सभा द्वारा आजीवन साहित्य सम्मान प्रदान किया गया। साहित्य संपादक अरुण नैथानी व नवीन मल्होत्रा कैथल को धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान, गुड़गांव की डॉक्टर मुक्ता को दयाल चन्द मैदान, देश निर्मोही पंचकूला को बाबूराम गुप्ता, हरनाम शर्मा रोहतक को देशराज शर्मा अब्र सीमाबी, अशोक भाटिया करनाल को बृजभूषण भारद्वाज, मनोज कृष्ण पंचकूला को माता राम बाई, इंदु गुप्ता को डॉक्टर ओमप्रकाश बंसल, आशा खत्री लता को अजमेर सौर, जीवन बख्शी को श्रीमती व श्री रामचंद्र झंडवाई, शमशेर कैंदल को प्रज्ञा साहित्य मंच, बलजीत दुल को रामगोपाल पांडे, महेंद्र पाल सारस्वत पाई को जगदीश राम स्मृति, डॉक्टर अजय बलहरा को विजय कृष्ण राठी, दिनेश बंसल पूंडरी को दामोदर वशिष्ठ, नरेश चौधरी जींद को भगवानदास निर्मोही, हरिदत्त हबीब क्योडक को राकेश वत्स एवं परमजीत चंदवाल को प्रज्ञा साहित्य मंच सम्मान से नवाजा गया। इन के इलावा दिल्ली से भाग्री मुल्तानी एवं सिरसा से विकट सिंह को भी साहित्यसभा द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुमेधा कटारिया द्वारा संस्था के 50 वर्ष पूरे होने पर संस्था की वर्तमान कार्यकारिणी के सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बाहर से आमंत्रित कवियों एवं स्थानीय लेखकों ने काव्य पाठ भी किया।

अमर उजाला, 12 फरवरी 2018, पृष्ठ 4

चुन्नट नामक काव्य संग्रह का लोकार्पण

काव्य संग्रह का लोकार्पण करते उपन्यासकार प्रोफेसर अमृत लाल मदान, प्रेम पुनिया व प्रिंसिपल सुबे सिंह मलिक।

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल।

आरकेएसडी कॉलेज में रविवार को मासिक गोष्ठी आयोजित

साहित्य सभा की ओर से आरकेएसडी कॉलेज में रविवार को मासिक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में शमशेर कैंदल की ओर से रचित चुन्नट नामक काव्य संग्रह का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण उपन्यासकार प्रोफेसर सर अमृत लाल मदान, प्रेम पुनिया व प्रिंसिपल सूबे सिंह मलिक ने किया। लेखक शमशेर कैंदल की यह दूसरी पुस्तक है। उनकी पहली पुस्तक पीपल विद ए डिफरेंस अंग्रेजी में लघु कथाएं थीं।

चुन्नट ऐसी असामान्य कविताओं का एक असाधारण झुरमुट है। इसमें कवि ने समसामयिक मसलों को भी लयबद्ध कर दिखाया है। कैंदल ने कहा कि चुन्नट एक ऐसा काव्य पुंज है।

इसमें विभिन्न प्रकार की रचनाएं, अनुभूति से लेकर अहसास तक, प्रकृति से लेकर प्राथमिकताओं तक, शहर से लेकर समाज तक, मार्ग से लेकर माहौल तक, सामाजिक कार्यों से लेकर सामयिक मुद्दों तक, परिंदों से लेकर प्रवास तक तमाम पहलुओं और पक्षों, भावों और दृष्टिकोणों को उकेरने का प्रयास किया गया है। चुन्नट में जहां हलकी फुल्की कविता चाय की चुस्की में परस्पर मेलजोल बढ़ाने की बात कही गई। चुन्नट एक ऐसा काव्य संग्रह है जिसमें विविध किस्म की रचनाओं का संतुलित समागम है। जहां कुछ कृतियां नर्म, मुलायम और लचीली हैं तो वहीं पर कुछ का जायका और लहजा सख्त, उत्साही और ओजस्वी।

शमशेर कैंदल वर्तमान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नौच में कार्यरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहारनपुर से पधारे विजेन्द्र पाल सिंह ने की। जबकि मंच संचालन प्रद्युम्न भल्ला ने किया। समारोह में चतुर्भुज बंसल, रिसाल जांगड़ा, दिनेश बंसल, दिलबाग, महेंद्र पाल, सरोज जोशी तथा अन्य कवियों ने कविताएं प्रस्तुत की।

दैनिक भास्कर, 12 फरवरी 2018 पृष्ठ 4

'पत्थरों से दिल लगाकर देखना, हो सके तो चोट खाकर देखना...'

आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी में पेश की कविताएं, संचालन साहित्यकार डॉ. प्रद्युमन भल्ला ने किया

भास्कर न्यूज | कैथल

साहित्य सभा कैथल की मासिक गोष्ठी आज स्थानीय आरकेएसडी कॉलेज मे संपन्न हुई। इस गोष्ठी में सहारनपुर से पधारे वरिष्ठ कवि डॉ. विपिन पाल शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि एवं डॉक्टर सुशीला शर्मा ने मुजफ्फरनगर से बतौर अध्यक्ष शिरकत की। कार्यक्रम में प्रेम सिंह पुनिया बीईओ गुहला ने विशिष्ट अतिथि के रुप में हिस्सा लिया।

गोष्ठी का संचालन साहित्यकार डॉक्टर प्रद्युमन भल्ला ने किया। गोष्ठी में युवा साहित्यकार शमशेर सिंह कैंडल की पुस्तक चुन्नट का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए गजलकार दिनेश बंसल ने कहा, 'सर पर साया जो बुजुर्गों की दुआ का होगा, कामयाबी का सफर अपना सुहाना होगा।' रोहतक के कवि जगबीर नांदल ने कहा, 'पत्थरों से दिल लगा कर देखना, हो सके तो चोट खाकर देखना।' रिसाल जांगड़ा की बाल कविता के बोल कुछ यूं थे, 'पापा की मैं प्यारी बेटी, मां की राज दुलारी बेटी।' डॉक्टर प्रद्युमन भल्ला ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, 'प्यार वाली बात गर मान लोगे प्यार से, प्यार की कसम है बहुत प्यार पाओगे।'

कैथल | साहित्य सभा की बैठक में मौजूद मुख्यातिथि व अन्य।

...श्रम के गहने रख तन की अलमारी में : वसंत ऋतु का स्वागत करते हुए सरोज जोशी ने कहा, 'आओ मनाएं ऐसा बसंत, जाग जाए चेतना आनंद।' मटोर से पधारे मेहरू शर्मा प्यासा ने कहा, 'कौन किसका हबीब होता है, अपना-अपना नसीब होता है।' राजकुमारी मदान की पंक्तियां थी, 'मां तुमने भी बचाया था अपनी बेटी को मैं भी बचाऊंगी अपनी बेटी को।' डॉ. अशोक आत्री ने फागुन का स्वागत करते हुए कहा, 'रंग रंगीला फागुन आया प्रकृति ने रंग बिखर आया।' युवा कवि विकास कौशल ने कहा, 'यूं तो हर चूना पत्थर होता है महज नारी से ही घर घर होता है।' अमृतलाल मदान की पंक्तियां थी, 'ऐ मेरे सृष्टा ऐ मेरे सृजक मुझे अगले जन्म में मनुष्य नहीं पेड़ बनाना।' मुख्यातिथि डॉ. विजेंद्र पाल शर्मा ने माहिया छंद में पंक्तियां रखी जिनके बोल थे, 'मत जी लाचारी में, श्रम के गहने रख तन की अलमारी में।' गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर सुशीला शर्मा ने कहा, 'शायद कुछ बेहतर हो जाए, मेरा घर घर हो जाए।'

अमर उजाला सोमवार • 18.02.2019 03

गोष्ठी

आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी में साहित्यकारों ने शहीदों को किया नमन, बोले-

'हमको यही सिला मिला है बातचीत का, ताबूत फिर आ गया है घर पे मीत का'

गोष्ठी में रूप देवगुण की दो पुस्तकों का विमोचन भी हुआ

गोष्ठी में पुस्तक का विमोचन करते साहित्यकार। • अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल। साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी का आयोजन आरकेएसडी कॉलेज में किया गया। जिसकी अध्यक्षता साहित्यकार रामकुमार आत्रे व संचालन रिसाल जांगड़ा व डॉ. प्रद्युमन भल्ला ने किया। जिसमें सिरसा के साहित्यकार रूप देवगुण मुख्यातिथि व डॉ. कमलेश संधू ने विशिष्ट अतिथि की भूमिका निभाई। वरिष्ठ समीक्षक रूप देवगुण, रामकुमार आत्रेय, अमृत लाल मदान ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। रूप देवगुण की दो पुस्तकों का विमोचन भी हुआ। चेतन चौहान ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि हम को यही सिला मिला है बातचीत का, ताबूत फिर आ गया है घर पे मीत का।

काव्य गोष्ठी का आरंभ राजेश भारती की कविता मां जादूगर से हुआ। शमशेर कैंदल ने कहा कि राजनीति विकराल हो गई, जोड़-तोड़ का जंजाल हो गई। डॉ. प्रद्युमन भल्ला ने कहा कि नहीं भूलती है तुम्हारी वफाएं, बख्शी है तुमने हमारी खताएं, रामकुमार आत्रे के शब्द कुछ यूं रहे- लड़कियां अंधेरे तहखानों में खुलती खिड़कियां होती हैं। डॉ. कमलेश संधू ने कहा सरहदों की आंधी, चिरागों को बुझा रही है। रिसाल जांगड़ा ने हरियाणवी अंदाज में फरमाया कि गहराई तक जाने में वक्त तो लागै सै, सच्चाई ऊपर आने में वक्त तो लागै सै।

इनके अतिरिक्त गोष्ठी में विजयपाल, हरीश सेठी, राजपाल, राजकुमारी मदान, सरोज जोशी, पंकज दयौरा, बाल कवि युवराज, रामफल गौड़ ने अपनी पंक्तियों के माध्यम से सबका ध्यान खींचा। विजय पाल, राधेश्याम भारतीय, कमलेश शर्मा, महेंद्र पाल सारस्वत, चतुर्भुज बंसल ने भी काव्य पाठ किया। गोष्ठी में राजकुमारी मदान की लघुकथा वसीयत, रिसाल जांगड़ा की लघुकथा बंधन, शमशेर कैंदल ने भगदड़ और रामफल गौड़ ने ममता लघुकथाओं के माध्यम से वाहवाही बटोरी। अंत में सभा के प्रधान अमृत लाल मदान ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोमवार MONDAY 11 जून 2018

सारी दुनियां जाणै सै, अक यो हरजाई सै...

काव्य गोष्ठी में अपनी-अपनी रचनाओं का पाठ करते रचनाकार।

साहित्य सभा द्वारा मासिक काव्य गोष्ठी आयोजित

कैथल केसरी | सोमवार MONDAY 11 मार्च 2019

साहित्य सभा ने किया मासिक समीक्षा गोष्ठी का आयोजन

नारी निकल रही है घर की चारदीवारी से बाहर...

कैथल, 10 मार्च (मित्तल): साहित्य सभा द्वारा मासिक समीक्षा गोष्ठी का आयोजन आर.के.एस.डी. कालेज में किया गया। अध्यक्षता हरीश झंडई ने तथा संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। गोष्ठी का आगाज रविन्द्र कुमार रवि की इस गजल से हुआ : मंजिलें अपनी जगह हैं रास्ते अपनी जगह, पांव हैं अपनी जगह तो हौसले अपनी जगह। ईश्वर गर्ग की बानगी देखिए : मेरी किताबें जीस्त को जिस शख्स ने पढ़ा, वरके हसीन जो भी थे, सब फाड़ ले गया।

कर्मचंद केसर की हरियाणवी गजल देखिए : देख्या इसा कमाल कसम तै, राजा बणग्या कंगाल कसम तै। मधु गोयल ने अभिनंदन को समर्पित शब्द यूं व्यक्त किए : जरूरी है काम करने को दिल करता है, जिंदगी तेरे नाम करने को दिल करता है। डा. अशोक अत्रे ने होली के त्यौहार को देवर-भाभी के रिश्ते से यूं जोड़ा : होली का त्यौहार आ गया, भाभी तेरी याद दिला गया। सोहन लाल सोनी ने भी इसी फाग की मस्ती को आगे बढ़ाया : फागण महीना मस्ती का, जोहड़ भरया म्हारी बस्ती का, मत ना रोकै फाग आज मन्नै खेलण दे।

महिला सशक्तिकरण पर रिसाल जांगड़ा के शब्द देखिए : नारी बाहर निकल रही है, घर की चारदीवारी से, पहचान रही है शक्ति अपनी यह पूरी होशियारी से। डा. हरीश झंडई ने शहीदों को नमन करते हुए कहा : शहीदों तुम्हें प्रणाम, दे जाते हो यादें इतिहास के नाम। कमलेश शर्मा ने फरमाया : दिल की दीवार पर अभी भी मौजूद हैं तेरे केसर से सने हाथ। गोष्ठी में सतबीर जागलान, सतपाल शास्त्री, राजेश भारती, चतर्भुज बंसल, महेंद्रपाल सारस्वत, स्वामी कृष्णानंद, रामफल गौड़ व अमृतलाल मदान, श्याम सुंदर गौड़, दिलबाग सिंह बाग, प्रीतम शर्मा ने भी अपनी-अपनी रचनाओं का पाठ कर उपस्थित श्रोताओं को आनंदित किया।

गोष्ठी में रचनाओं का पाठ करते साहित्यकार। (रमेश)

सोमवार, 11 जून 2018 पृ० 14

जिंदगी से मेरी अनबन हो गईः डॉ. तेजिंद्र

काव्य गोष्ठी में कवियों ने किया काव्य पाठ

वशीकरण अंगूठी
900/-
01147385151 / 99

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, सोमवार, 25 नवंबर, 2019 7

दैनिक ट्रिब्यून चंडीगढ़, सोमवार 25 नवम्बर 2019

20 साहित्यकारों को किया सम्मानित

कैथल, 24 नवंबर (हप्र)

आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा ने कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में विधायक लीला राम मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे, जबकि डा. रामशरण गौड़ अध्यक्ष दिल्ली लायब्रेरी बोर्ड संस्कृति मंत्रालय, एवं डा. चंद्र त्रिखा, उपाध्यक्ष एवं निदेशक हरियाणा उर्दू अकादमी पंचकूला अध्यक्ष के रूप शामिल हुए। उद्योगपति सतीश बंसल और डा. कमलनयन कपूर प्रख्यात साहित्यकार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में साहित्यकारों व कवियों ने अपनी-अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। उत्कृष्ट शायरों ने बढ़िया कलाम पढ़े। इसके अलावा 9 पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। साहित्यकारों को संबोधित करते हुए डा. चंद्रत्रिखा ने कहा कि साहित्य एक गंभीर मसला है इसलिए, इसे गंभीरता से लेना चाहिए। आज संवेदनाएं हाशिए पर हैं।

कैथल साहित्य सभा के वार्षिक कार्यक्रम में रविवार को पुस्तकों का विमोचन करते साहित्यकार। -हप्र

इनको मिला सम्मान

इस कार्यक्रम में साहित्यकार अंबाला छावनी से उर्मि कृष्ण, केवल तिवारी, डा. रामशरण गौड़ दिल्ली, शम्स तबरेजी चंडीगढ़, डा. ओम प्रकाश करुणेश कुरुक्षेत्र, सुभाष सलूजा सिरसा, कंवल सिंह शर्मा बारवौंद, रतन चंद सरदाना कुरुक्षेत्र, डा. प्रतिभा गुप्ता माही पंचकूला, श्याम सुंदर शर्मा, कैथल, मेजर डा. शक्ति राज सिरसा, जय भारद्वाज तरावड़ी, डा. वेद प्रकाश दिल्ली, अशोक वशिष्ठ करनाल, कमलेश गोयत जींद, खुशवीर मोठसरा चरखी दादरी, मंजीत चावला अंबाला छावनी, डा. मनोज भारती भिवानी, दिनेश शर्मा दिल्ली, कुंज बिहारी शर्मा, मधु गोयल कैथल, व सतबीर जागलान कैथल को सम्मानित किया गया।

पृ० 7

दैनिक भास्कर | कैथल | कैथल, शनिवार 20 नवंबर, 2021 | 04

तकनीकी साधकों को साधना से जोड़ें साहित्यकार, विद्वानों तक पहुंचनी चाहिए हमारी पुस्तकें और साहित्यः कौशिक

साहित्य सभा कैथल ने आरकेएसडी कॉलेज में कराया हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के सहयोग से वार्षिक कवि-सम्मेलन, पुस्तक-लोकार्पण एवं सम्मान-समारोह

कैथल। साहित्य सभा के कार्यक्रम में पुस्तकों का लोकार्पण करते साहित्यकार।

कैथल। पुस्तक-लोकार्पण एवं सम्मान-समारोह में मौजूद साहित्य सभा के सदस्य।

आर्ट ऑफ लिविंग ने मनाया कपिस्थल आश्रम का स्थापना दिवस

नेकियां तो आपकी सारी भूला दीं जाएंगी; गलतियां राई भी हों तो पर्वत बना दी जाएंगी : दिनेश बंसल

साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी आयोजित, कई पुस्तकों का किया विमोचन

भास्कर न्यूज़ | कैथल

साहित्य सभा की काव्य गोष्ठी में मौजूद कवि।

साहित्य सभा की गोष्ठी केंद्रीय साहित्य अकादमी के भाषा सम्मान पुरस्कारों से सम्मानित हरि कृष्ण द्विवेदी की अध्यक्षता में हुई। गोष्ठी का संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। कवि रविंद्र रवि ने खुद की ताकत की आजमाइश की चाहत को लेकर कहा कि फेंक दो दरिया के बीचों-बीच मुझको, अपने बाजू आजमाना चाहता हूं। आज के युग की प्रवृति को लेकर दिनेश बंसल ने कहा कि नेकियां तो आपकी सारी भूला दी जाएंगी, गलतियां राई भी हों तो पर्वत बना दी जाएंगी। डा. तेजेंद्र ने मियां-बीबी के रिश्तों पर व्यंग्य करते हुए कहा कि लड़के की आज वा, ऐन बरस री सै। दोस्तों आज शादी की ऐनवरसरी सै। सुधरने की चेतावनी देते हुए सतपाल शर्मा ने कहा कि आज जी ना सुधारेगा तू, जीवन व्यर्थ गुजारेगा तूं। सपनों को परिभाषित करते हुए डा. अमृत मदान ने कहा कि सपने क्या है, जग भटकन है। हर कदम पे यूं अड़चन है। मनुष्य के क्षणिक अस्तित्व को लेकर रामफल गौड़ ने कहा कि के औकात बता माणस की, पत्थर नै भी हो सै घसणा। कर्मचंद केसर ने कहा कि कलम खोस कै झाड़ू दे दिया, करता फिरे सफाई। वर्तमान समय में समाज के बारे बोलते हुए हरि कृष्ण द्विवेदी ने कहा कि जिंदगी से रुखसत अब संस्कार हो गए। धर्म, पूजा पाठ भी व्यापार हो गए।गोष्ठी में डा. तेजेंद्र के शोध प्रबंध हिंदी गजल एवं अन्य काव्य विधाओं, प्रो. अमृत लाल मदान के उपन्यास एक और त्रासदी, मधु गोयल के लघु कथा संग्रह थरथराती बूंद, महेंद्र पाल की हरियाणवी भजनोपदेशक माला, डा. हरीश झंडई के काव्य संग्रह ढलते सूरज की किरणों का विमोचन हुआ। गोष्ठी में कमलेश शर्मा, डा. प्रद्युमन भल्ला, सतीश शर्मा, शमशेर सिंह कैंदल, सतबीर जागलान, दिलबाग सिंह, श्याम सुंदर, डा. चतुरभुज बंसल, टीसी अग्रवाल व ऊषा गर्ग मौजूद थी।

दैनिक भास्कर पानीपत सोमवार 10 दिसम्बर 2018 [04]

गा-पंजाब की 27 टीमों ने हिस्सा लिया

---

17 फरवरी 2019 को आयोजित कविता एवं लघुकथा गोष्ठी की समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्टस की कतरनें

साहित्य सभा एवं हरियाणा प्रादेशिक लघुकथा मंच के संयुक्त तत्वावधान में एक कविता एवं लघुकथा गोष्ठी आयोजित

'लघुकथा एवं लघुकविता का भविष्य स्वर्णिम'

कैथल, 17 फरवरी (मित्तल): आर.के.एस.डी. कालेज शिक्षण महाविद्यालय में आज साहित्य सभा कैथल एवं हरियाणा प्रादेशिक लघुकथा मंच की कैथल इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एक कविता एवं लघुकथा गोष्ठी आयोजित की गई ...

गोष्ठी में अपनी-अपनी रचनाओं का पाठ करते साहित्यकार।(लेख)

नवोदित एवं स्थापित लघुकथा लेखकों ने किया लघुकथा पाठ

गोष्ठी का दूसरा दौर लघुकथा को समर्पित रहा जिसमें नवोदित एवं स्थापित लघुकथा लेखकों ने लघु कथा पाठ किया। हरीश सेठी झिलमिल ने लघुकथा पड़ोस धर्म प्रस्तुत की व राधेश्याम भारतीय की लघुकथा सम्मान सराहना का पात्र बनी। भावना ने लघुकथा भेदभाव के माध्यम से बेटा बेटी के भेद को इंगित किया। इस अवसर पर पंकज दर्पण की लघुकथा बुजुर्ग की बात, नशे पर करारा व्यंग्य रही। अमृत लाल मदान की लघुकथा मां और बेटा सशक्त रचना रही। डा. प्रद्युम्न भल्ला ने अपनी लघुकथा पेट के लिए प्रस्तुत की। राजकुमारी मदान की लघुकथा वसीयत, रिसाल जांगड़ा की लघुकथा बंधन, शमशेर कैंदल ने भगदड़ और रामफल गौड़ ने ममता लघुकथाओं के माध्यम से वाहवाही बटोरी। इसके अतिरिक्त आज की लघुकथा गोष्ठी में विजय पाल ने प्रयास और परिणाम तथा रामकुमार आत्रेय ने पांच लघुकथाओं का भी पाठ किया। अंत में सभा के प्रधान अमृत लाल मदान ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कैथल केसरी

सोमवार MONDAY 18 फरवरी 2019 III

IV

दैनिक जागरण

कैथल, 9 सितंबर 2019

कार्यक्रम | साहित्य सभा की तरफ से आरकेएसडी कॉलेज में मासिक काव्य गोष्ठी आयोजित

निकल रिवायत की सुरंग से, जीते हैं हम अपने ढंग से...

जागरण संवाददाता, कैथल : साहित्य सभा की तरफ से ...

कैथल : साहित्य सभा की बैठक में भाग लेते कवि • जागरण

... ने शायरी पेश करते हुए कहा, निकल रिवायत की सुरंग से। हम जीते हैं अपने ढंग से। ... प्रो. अमृत लाल मदान ने दो लघुकथाओं शिक्षक दिवस का पाठकर श्रोताओं को झकझोर दिया।

कैथल केसरी

सोमवार MONDAY 9 सितम्बर 2019

सितम्बर की काव्य गोष्ठी आयोजित

रचनाओं का पाठ करते साहित्यकार। (मित्तल)

कैथल, 8 सितम्बर (मित्तल): साहित्य सभा कैथल द्वारा आर.के.एस.डी. कालेज के स्टाफ रूम में सितम्बर की काव्य गोष्ठी आयोजित की। सभा के प्रधान प्रो. अमृत लाल मदान के सान्निध्य में गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्यकार प्राचार्य कमलेश शंभु ने की। गोष्ठी का संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। गोष्ठी में दिलबाग सिंह बाग, दिनेश बंसल दानिश, एक अध्यापक का मनोभाव पर सतपाल शास्त्री, लीक से हटकर जीने वालों के अंदाज पर ईश्वर चंद गर्ग, अंतिम क्षणों में चंद्रयान-2 को मिली असफलता को लेकर सम्राट अशोक, नए बने जुर्माना नियमों को लेकर डा. तेजिंद्र, बुजुर्गों को मान देने की बात नीरु मेहता, अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर चतुर्भुज बंसल सीबा, सरोज जोशी, मनुष्य को राह दिखाते हुए मधु गोयल, रिसाल जांगड़ा ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं जिनकी सभी ने सराहना की। प्रो. अमृत लाल मदान ने 2 लघुकथाओं प्रज्ञा तथा शिक्षक दिवस का पाठकर श्रोताओं को झकझोर दिया। गोष्ठी में कमलेश शर्मा, कमलेश शंभु, श्याम सुंदर गौड़, प्रीतम लाल शर्मा, चंद्रकांता शर्मा, ऊषा गर्ग व महेंद्र पाल द्विवेदी आदि ने भी रचनाओं से सभी को काव्य रस से सराबोर कर दिया।

अमर उजाला

सोमवार • 25.11.2019

अमर उजाला my city सोमवार

सम्मान | आरकेएसडी कॉलेज में साहित्यकार सम्मान समारोह एवं पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन

25 नवम्बर 2019 पृ० 4

साहित्य सभा ने सम्मानित कर साहित्यकारों का बढ़ाया मान

माई सिटी रिपोर्टर

कैथल। साहित्य सभा द्वारा आरकेएसडी कॉलेज में साहित्यकार सम्मान समारोह एवं पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक लीला राम ने भाग लिया। साथ ही उद्योगपति सतीश बंसल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। सम्मान समारोह में अध्यक्षता दिल्ली लाईब्रेरी बोर्ड के अध्यक्ष रामशरण गौड़ ने की।

समारोह में सतीश बंसल के सौजन्य से श्रीमती उर्मि कृष्ण अंबाला छावनी को लाला निरंजन दास व सुमित्रा देवी स्मृति आजीवन साहित्य साधना सम्मान से नवाजा। डा. चंद्रत्रिखा चंडीगढ़ के सौजन्य से केवल तिवारी को धीरज त्रिखा स्मृति सम्मान समारोह, सेवानंद करनाल के सौजन्य से डा. रामशरण गौड़ दिल्ली को देशराज शर्मा अग्र सीमावी आजीवन साहित्य सम्मान, डा. संजय बंसल के सौजन्य से शमस तबरेजी को डा. ओमप्रकाश बंसल अनवर स्मृति साहित्य सम्मान से, डा. ओमप्रकाश करुणेश कुरुक्षेत्र को डा. चंद्रकिरण बंसल स्मृति साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। नरेंद्र गुप्ता सीए के सौजन्य से कंवल सिंह शर्मा सुलचानी को श्री बाबू राम गुप्ता एडवोकेट स्मृति साहित्य सम्मान से, अमृत लाल मदान के सौजन्य से सुभाष सलूजा रानिया सिरसा को श्री दयालचंद मदान स्मृति साहित्य सम्मान से, डा. हरीश झंडई के सौजन्य से रत्न चंद सरदाना कुरुक्षेत्र को श्री राम चंद्र झंडई स्मृति साहित्य सम्मान से, जयचंद बजाज कैथल के सौजन्य से श्री श्याम सुंदर शर्मा को माता राम बाई स्मृति साहित्य एवं संगीत सेवी सम्मान से, डा. एस के सिंघल के सौजन्य डा. प्रतिभा गुप्ता माही पंचकुला को श्रीमती मीनू सिंघल स्मृति साहित्य सम्मान से, ओपी अरोड़ा एडवोकेट के सौजन्य से मेजर डा. शक्तिराज कौशिक को आसी अरोड़ा एडवोकेट स्मृति सम्मान, पीआर भांभा कैथल के सौजन्य से जय भारद्वाज तरावड़ी को माता इकबाल कौर स्मृति साहित्य सम्मान से नवाजा गया।

साहित्य सम्मेलन में साहित्यकारों को सम्मानित करते विधायक लीलाराम।

इसी कड़ी में प्रो. बीबी भारद्वाज के सौजन्य से डा. वेदप्रकाश दिल्ली को बृजभूषण बिहारी एडवोकेट स्मृति साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। अशोक वशिष्ठ करनाल को ओमपति मोर के सौजन्य से अजमेर मोर स्मृति सम्मान से, कमलेश गोयत को डा. मुक्त मयंक गुरुग्राम के सौजन्य से डा. मुक्ता मयंक गद्य साधना सम्मान से, खुशवीर मोठसरा चरखी दादरी को डा. मुक्ता मयंक के सौजन्य से डा. मयंक गद्य साधना सम्मान, मंजीत सरगम चावला को भल्ला परिवार के सौजन्य से डा. लालचंद भल्ला स्मृति साहित्य सम्मान से, डा. मनोज भारती भिवानी को डा. तेजेंद्र परिवार कैथल के सौजन्य से जगदीश राम स्मृति साहित्य सम्मान से, दिनेश शर्मा दिल्ली को धीरज त्रिखा स्मृति फाउंडेशन चंडीगढ़ के सौजन्य से डा. भगवानदास निर्मोही स्मृति पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पत्रकार कुंज बिहारी को डा. दामोदर वशिष्ठ स्मृति पत्रकारिता सम्मान, मधु गोयल को डा. मधुकांत प्रज्ञा साहित्य मंच रोहतक के सौजन्य से माता इंदिरा स्वपन स्मृति पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सतबीर जागलान कैथल को सतपाल शास्त्री पराशर गांव करोड़ा के सौजन्य से श्रीमती बंती देवी दीपचंद पराशर स्मृति पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विधायक लीला राम ने सभी सम्मानित होने वाले साहित्यकारों को बधाई दी। मुख्य अतिथि विधायक लीला राम को सभा की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

दैनिक भास्कर पानीपत, सोमवार 25 नवंबर, 2019 | 04

दैनिक भास्कर पानीपत, सोमवार 25 नवम्बर 2019 पृ० 04

साहित्य सभा का कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह • साहित्यकारों ने पर्यावरण से लेकर वर्तमान स्थिति पर प्रस्तुत की रचनाएं

गुजरे कल की याद सुहानी साथ रही, बनके मेरी आंख का पानी साथ रही

भास्कर न्यूज | कैथल

आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा ने कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में विधायक लीला राम मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे, जबकि डॉ. रामशरण गौड़ अध्यक्ष दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड संस्कृति मंत्रालय एवं डा. चंद्रिका, उपाध्यक्ष एवं निदेशक हरियाणा उर्दू अकादमी पंचकूला अध्यक्ष के रूप शामिल हुए। उद्योगपति सतीश बंसल और डॉ. कमलनयन कपूर प्रख्यात साहित्यकार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में साहित्यकारों व कवियों ने अपनी-अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। इसके अलावा पुस्तकों का लोकार्पण हुआ और साहित्य एवं पत्रकारिता क्षेत्र में बेहतर करने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन डॉ. प्रद्युम्न भल्ला ने किया। इस अवसर पर प्रधान अमृत लाल मदान, उप प्रधान कमलेश शर्मा, संरक्षक डॉ. संजय गोयल, सह सचिव अशोक-अत्री, कोषाध्यक्ष रविंद्र रवि, प्रेस सचिव डॉ. तेजेंद्र, संयोजक रिसाल जांगड़ा, महिला प्रतिनिधि मधु गोयल व ईश्वर गर्ग सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कैथल। पुस्तकों का लोकार्पण करते मुख्यातिथि विधायक लीला राम व अन्य अतिथि व वशिष्ठ अतिथि।

नौ पुस्तकों का हुआ लोकार्पण, कार्यक्रम में अमृत लाल मदान एवं राजकुमारी मदान के काव्य संग्रह हम दोनों, अमृत लाल मदान व डॉ. कमलेश संधु के काव्य संग्रह मैं एक अमर पंछी, अमृत लाल मदान की संस्मरण और डायरी- ठिठके-ठिठके पल, डॉ. हरीश झंडई के काव्य संग्रह जंगल से गुजरती जिंदगी, रिसाल जांगड़ा की हरियाणवी गजल संग्रह फूल दरद के, हरि कृष्ण द्विवेदी कुरुक्षेत्र की हरियाणवी गजल संग्रह दरपण व गजल संग्रह कागज के फूल, मंजीत सरगम चावला अम्बाला छावनी की लिव, लव एंड लॉफ व मधु गोयल का काव्य संग्रह घायल पंछी का लोकार्पण हुआ।

इनको मिला सम्मान, कार्यक्रम में साहित्यकार अम्बाला छावनी से उर्मि कृष्ण, केवल तिवारी, डॉ. रामशरण गौड़ दिल्ली, शम्स तबरेजी चंडीगढ़, डॉ. ओम प्रकाश करुणेश कुरुक्षेत्र, सुभाष सलूजा सिरसा, कंवल सिंह शर्मा नारनौंद, रतन चंद सरदाना कुरुक्षेत्र, डॉ. प्रतिभा गुप्ता माही पंचकूला, श्याम सुंदर शर्मा, कैथल, मेजर डॉ. शक्ति राज सिरसा, जय भारद्वाज तरावड़ी, डॉ. वेद प्रकाश दिल्ली, अशोक वशिष्ठ करनाल, कमलेश गोयल जींद, खुशबीर मोठसरा चरखी दादरी, मंजीत चावला अम्बाला छावनी, डॉ. मनोज भारती भिवानी, दिनेश शर्मा दिल्ली, मधु गोयल कैथल, व सतबीर जागलान कैथल को सम्मानित किया गया।

कवि सम्मेलन में यूं चला शेरो-शायरी का दौर

कवि सम्मेलन के दौरान उर्दू शायर शम्स तबरेजी ने कहा लाख मुश्किलें आए, उससे हम नहीं डरते। एक बार मरते हैं, रोज हम मर नहीं सकते। यादों का जिक्र करते हुए गुलशन मदान ने कहा- गुजरे कल की याद सुहानी साथ रही, बनके मेरी आंख का पानी साथ रही। जीवन में संतुष्टि को लेकर दिनेश बंसल दानिश ने कहा- सिर्फ दो जून की रोटी मुझे मिलती रहे, ऐशो इसरत का यहां कौन तमन्नाई है। रविंद्र रवि ने कहा- दुश्मनों से सलाह कर लूं क्या, आज ये भी गुनाह कर लूं क्या। बिगड़ रहे पर्यावरण को लेकर जय भारद्वाज तरावड़ी ने कहा कि सांस अगर मैं लेता हूं तो दम घुटता है मेरा, गली में फूटी आतिशबाजी, खेतों में जल पराली है। डॉ. तेजेंद्र की त्र्यंबिका देखिए- जब एक बोलता जाता है और दूसरा सुनता चला जाता है। तो आप समझ सकते हैं, वह रिश्ता क्या कहलाता है। इसके अलावा प्रतिभा गुप्ता, अशोक वशिष्ठ, रूप देवगुण, चतरभुज बंसल, सतीश शर्मा, सतपाल शास्त्री, रिसाल जांगड़ा ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की।

सोमवार MONDAY 25 नवम्बर 2019

पंजाब केसरी सोमवार 25 नवम्बर 2019 पृ० IV

IV www.punjabkesari.in

कैथल केसरी

समारोह में साहित्यकारों को किया सम्मानित

कैथल, 24 नवम्बर (मित्तल): साहित्य सभा कैथल द्वारा आर.के.एस.डी. कालेज में सम्मान समारोह, पुस्तक लोकार्पण एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लीलाराम विधायक कैथल ने मुख्यातिथि के रूप में तथा उद्योगपति सतीश बंसल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

सम्मान समारोह की अध्यक्षता डा. रामशरण गौड़ अध्यक्ष दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड संस्कृति मंत्रालय ने की। समारोह के दौरान कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया, जिस का संचालन प्रद्युम्न भल्ला ने किया।

समारोह के दौरान साहित्यकारों को सम्मानित करते मुख्यातिथि विधायक लीला राम व अन्य तथा समारोह में उपस्थित विभिन्न जिलों से आए साहित्यकार और गणमान्य व्यक्ति। (मित्तल)

वहीं समारोह में प्रो. अमृत लाल मदान के संस्मरण और डायरी पर आधारित पुस्तक ठिठके-ठिठके पल का, अमृत लाल मदान एवं राजकुमारी मदान के काव्य-संग्रह हम दोनों का, प्रो. अमृत लाल मदान एवं डा. कमलेश संधु के काव्य-संग्रह मैं एक अमर पंछी का, डा. हरीश झंडई के काव्य-संग्रह जंगल से गुजरती जिंदगी का, रिसाल जांगड़ा के हरियाणवी गजल संग्रह फूल दरद के का, हरिकृष्ण द्विवेदी के हरियाणवी गजल संग्रह दरपण का, हरि कृष्ण द्विवेदी के ही एक और हरियाणवी गजल संग्रह कागज के फूल का, मंजीत सरगम चावला की प्रेरक स्मृतियां संग्रह लिव लव एंड लाफ का तथा मधु गोयल के काव्य संग्रह घायल पंछी का लोकार्पण किया गया।

कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में अतिथियों द्वारा उर्मि श्रीकृष्ण अंबाला छावनी को लाला निरंजन दास व सुमित्रा देवी स्मृति आजीवन साहित्य साधना सम्मान से, डा. रामशरण गौड़ दिल्ली को देशराज शर्मा अग्र सौभाग्य आजीवन साहित्य साधना सम्मान से, शम्स तबरेजी चंडीगढ़ को डा. ओम प्रकाश बंसल अनवर सौवनी स्मृति साहित्य सम्मान से, डा. ओमप्रकाश करुणेश कुरुक्षेत्र को डा. चंद किरण बंसल स्मृति साहित्य सम्मान से तथा सुभाष सलूजा रानियां सिरसा को दयाल चंद मदान साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में कंवल सिंह शर्मा सुलचानी नारनौंद को बाबू राम गुप्ता एडवोकेट स्मृति साहित्य सम्मान से, रत्न चंद सरदाना कुरुक्षेत्र को श्रीमती एवं श्रीरामचंद झंडई स्मृति साहित्य सम्मान से, डा. प्रतिभा गुप्ता माही पंचकूला को मीनू सिंघल स्मृति साहित्य सम्मान से, श्याम सुन्दर शर्मा कैथल को माता राम बाई स्मृति साहित्य-संगीत सेवी सम्मान से, मेजर डा. शक्ति राज कौशिक सिरसा को आई. सी. अरोड़ा एडवोकेट स्मृति साहित्य सम्मान से, जय भारद्वाज तरावड़ी को माता इकबाल कौर स्मृति साहित्य सम्मान से व डा. वेद प्रकाश दिल्ली को बृजभूषण भारद्वाज एडवोकेट स्मृति साहित्य सम्मान से नवाजा गया।

इसी प्रकार अशोक वशिष्ठ करनाल को अजमेर मोर स्मृति साहित्य सम्मान से, कमलेश गोयल जींद को डा. मुक्ता-मयंक गद्य-साधना सम्मान से, खुशबीर मोठसरा चरखी दादरी को भी डा. मुक्ता-मयंक गद्य-साधना सम्मान से, मंजीत सरगम चावला अंबाला छावनी को डा. लाल चंद भल्ला स्मृति साहित्य सम्मान से और डा. मनोज भारत भिवानी को जगदीश राम स्मृति साहित्य सम्मान से अलंकृत किया गया। समारोह में दिनेश शर्मा दिल्ली को डा. भगवान दास निर्मोही स्मृति पुस्तक पुरस्कार से, मधु गोयल कैथल को माता इंदिरा स्वप्न स्मृति पुस्तक पुरस्कार से और सतबीर जागलान कैथल को बंती देवी दीपचंद पेशवार स्मृति पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गोष्ठी में भाग लेते हुए साहित्यकार।

साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी हुई

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा की मासिक समीक्षा गोष्ठी संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता अमृत लाल मदान ने की। मंच संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। गोष्ठी का आगाज रविंद्र कुमार रवि की महिला दिवस पर लिखी रचना से हुआ। कतरा कतरा रस पीती है औरत मरती है जीती है, उसमें है धरती सा संयम नहीं बताती है क्या पीती है।

मधु गोयल ने कहा भारत के तुम नौजवानों सुन लो मेरी बात, ज्यादती बहुत हुई है महिलाओं के साथ। सतबीर जागलान ने कहा कि किसान कहवै सै मन की बात, क्या तै होई या बरसात, बैटया बरगी फसल या मरगी, करी थी मेहनत दिन और रात। ईश्वर गर्ग ने कहा कि हौसला हिम्मत रवानी सब गए, जो थे जीवन की निशानी सब गए। शमशेर कैंदल ने पत्थरबाज मजहबी कत्लेआम सुमार है क्या, अमन पसंद गुनाहगार है क्या? सतपाल शास्त्री ने कहा आओ औरत का मान करें, जो रत रहती है औरों में उस औरत का गुणगान करें।

मोहन लाल सैनी ने कहा औरत अब अबला नहीं रही, हो गई सबला। रामफल गौड़ ने कहा घटा झूठ की कद लग जावै, सूरज लिकड़ै के सच का आवै। श्याम सुंदर शर्मा ने कहा छल कपट दुश्मन की होली जलाइए। अनिल गर्ग ने कहा हिंदू बुरा है न मुसलमान बुरा है, इन के बिना मेरा यह देश अधूरा है। दिनेश बंसल ने गजल इस प्रकार सुनाया तू पढ़ता है कि अपना मुझे फर्क कहा है, फकत इतना तू समझ ले मेरा इश्क जाविदा है।

अमर उजाला

सोमवार • 09.03.2020
amarujala.com
4

पानीपत, मंगलवार 10 मार्च, 2020 | 06

साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी, किसान कहवै सै मन की बात, बैटया बरगी फसल मरगी क्यां ते हुई या बरसात

साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी आरकेएसडी कॉलेज में अमृत लाल मदान की अध्यक्षता में हुई

भास्कर न्यूज | कैथल

साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी आरकेएसडी कॉलेज में अमृत लाल मदान की अध्यक्षता में हुई। संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। गोष्ठी की शुरुआत रविंद्र कुमार रवि ने महिला दिवस को समर्पित रचना से किया। रवि ने कहा कि कतरा-कतरा विष पीती है औरत, मरती है जीती है। उसमें है धरती सा संयम नहीं बताती क्या पीती है।... मधु गोयल-भारत के तुम नौजवानों सुन लो मेरी बात, ज्यादती बहुत हुई है महिलाओं के साथ।... बेमौसम बरसात से बर्बाद हुई फसल पर किसान की व्यथा को बताते हुए सतबीर जागलान ने कहा कि किसान कहवै सै मन की बात, क्यां ते हुई या बरसात, बैटया बरगी फसल मरगी, करी थी मेहनत दिन-रात।... ईश्वर गर्ग ने कहा हौसला, हिम्मत, रवानी सब गए जो थे जीवन की निशानी सब गए।... शमशेर कैंदल बोले मजहबी कत्लेआम शुमार है क्या, अमन पसंद गुनाहगार है क्या।... सतपाल शास्त्री ने महिला दिवस पर कहा कि आओ औरत का मान करें, जो रत रहती है औरों में उस औरत का गुणगान करें।... मोहन लाल सैनी ने कहा कि औरत अब अबला नहीं रही, हो गई है सबला। रामफल गौड़ ने कहा कि घटा झूठ की कद लग छावै, सूरज लिकड़ै के सच का आवै। ममता पावन खातर मां की रज भी माथा पर लगाके आवै।... रिसाल जांगड़ा ने कहा कि नारी देवी सै नारी तीर्थ धाम, शीश झुका कर मैं करूं बार-बार प्रणाम।... कमलेश शर्मा ने कहा कि मैंने जब भी देखा है मां को उदास देखा है। बचपन में सोचा करता मां सोती कब है। अंत में अमृत लाल मदान ने कहा कि हम लाएंगे मां जैसी सुबह, सपनों में बसी जो ऐसी सुबह। इसके अलावा गोष्ठी में श्याम सुंदर शर्मा, दिनेश बंसल, डॉ. चतुर्भुज बंसल, प्रीतम शर्मा व महेंद्र सारस्वत ने भी रचनाएं प्रस्तुत की।

कैथल | मासिक मीटिंग करते हुए साहित्य सभा।

दैनिक भास्कर

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, सोमवार, 13 जनवरी, 2020

'मायूस हैं महंगाई से भावनाएं, फिर भी नववर्ष की शुभकामनाएं'

काव्य गोष्ठी

कैथल, 12 जनवरी (हप्र)

साहित्य सभा कैथल द्वारा मासिक समीक्षा गोष्ठी का आयोजन आरकेएसडी कॉलेज के प्रांगण में किया गया। इसकी अध्यक्षता हरीश झंडाई ने की। गोष्ठी में मंच का संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। ईश्वर चंद गर्ग ने गोष्ठी का आगाज इस शेर से किया : सत्ता को ललकार रहे हो पागल हो क्या। रविंद्र कुमार रवि का अंदाजे बयां देखिए : तुम्हारे चेहरे का वो तबस्सुम, मेरा तो नुकसान कर गया है। जीवन की गतिशीलता को अशोक अत्रे ने यूं पेश किया : ये बादल ये पंछी ये हवाएं, न रुकती किसी के रोके। दिलबाग सिंह ने नववर्ष की बधाई यूं दी : मायूस हैं महंगाई से भावनाएं, फिर भी नववर्ष की शुभकामनाएं। सतबीर जागलान ने चौपाल में रखे हुक्के की विशेषता को हरियाणवी अंदाज में प्रस्तुत किया : थ्याई आला होक्का बणा कै राख्यो था भाईचारा। छात्रों को सीख देते हुए कुमार अशोक ने कहा : जागो अब तो नींद से जागो, देर हुई बड़ी देर हुई, छात्र हित की बात करो तुम नहीं तो शिक्षा ढेर हुई। गोष्ठी के दौरान लहणा सिंह अत्री की पुस्तक 'क्यां का करै गुमान बाबले' व टी.सी. अग्रवाल की पुस्तक 'मेहनत मेरी रहमत तेरी' का विमोचन किया गया।

दैनिक भास्कर (कैथल) पानीपत, सोमवार
13 दिसम्बर 2021 पृ० 2

देस पै जान निछावर कर के चले गए शहीद मरे नहीं बेशक मर के चले गए

आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी, सीडीएस बिपिन रावत को मौन रख दी श्रद्धांजलि

भास्कर न्यूज | कैथल

स्थानीय आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी हुई। गोष्ठी का आरंभ सीडीएस बिपिन रावत को दो मिनट का मौन रखकर शांति पाठ के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रद्युम्न भल्ला ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. हरीश झंडई उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अमृतलाल मदान ने की। गोष्ठी की शुरुआत करते हुए भल्ला ने कहा कि जिन्हें आपकी रहनुमाई मिली, वही जिंदगी, जिंदगी हो गई, भटकन बहुत थी मेरे मेहरबां, तेरा दर मिला बंदगी हो गई। रविंद्र कुमार रवि ने कहा कि जब यह देखा मेरी बेबसी बढ़ रही, मेरे यारों की इतनी खुशी बढ़ रही। गोष्ठी में सतीश वर्मा माजरा ने अपने मन की बात कुछ ऐसे की, मैदान-ए-जंग में हूं दुश्मन से निपट कर आऊंगा, पर लौट के आया तो तिरंगे में लिपट कर आऊंगा। नीरू मेहता ने अपने भाव कुछ इस तरह रखे, सुलझाने जीवन का पथ, सारथी बन खुद खींचे रथ, राह तुम्हें दिखलाने को, जीवन का पाठ पढ़ाने को, स्वयं कृष्ण आते हैं। रिसाल जांगड़ा ने हरियाणवी भाषा में कहा, देस पै जान निछावर कर के चले गए, शहीद मरे नहीं बेशक मर के चले गए। रविंद्र मित्तल ने कहा कि हार जाते हैं जीतने वाले, जिंदगी एक ऐसी चाल चलती है, दिन होता है और रात आती है, उम्र यूं ही बस ढलती जाती है। मधु गोयल कहा कि नए साल के आगमन पर, सपने पूरे कर जाएंगे, नहीं मानना कमजोर हमें, हम आगे बढ़ते जाएंगे। चतुर्भुज बंसल ने अपनी बात इस तरह रखी, वैध हकीम डॉक्टर भी, चाहे जितना जोर लगा ले, जिसकी फूट है टूट गई, उसने कौण बचा ले। गोष्ठी में करनाल से आए टीसी अग्रवाल ने कहा कि जिंदगी जिस की अमानत है, बस उसी की बात कर, कुछ भी गुजरे तेरे ऊपर, बस उसी को याद कर। मुख्य अतिथि ने अपनी रचना पेश करते हुए कुछ यूं कहा, कैसी है कुदरत की अनहोनी घटना, चली गई है वतन की खुशबू। इसी प्रकार अमृतलाल मदान ने अपनी बात रखते हुए कुछ यूं कहा, चाहे रहो बिछ जाऊं मैं भी, वीरों के उस पथ पर जाकर, जीवंत जनरैल चला जहां, पग पग अंतिम यात्रा पर। इसके अलावा महेंद्र पाल सारस्वत, सूरजभान शांडिल्य, दिलबाग अकेला, सुरजीत ठाकुरा, दिनेश बंसल, अनिल कौशिक, सतपाल पराशर, कमलेश शर्मा, ओमपति मोर, डॉ. ओपी सैनी, अशोक अत्री ने भी रचनाएं प्रस्तुत की।

कैथल | आरकेएसडी कॉलेज में साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी में रचनाएं प्रस्तुत करते कवि।

अमर उजाला सोमवार • 13.01.2020 amarujala.com 4

गोष्ठी

आरकेएसडी कॉलेज में हुई साहित्य सभा की मासिक काव्य गोष्ठी, साहित्यकारों ने रचनाओं से सामाजिक मुद्दों पर किया कटाक्ष

देखे इसे भतेरे लोग, ना तेरे, ना मेरे लोग.से रखे विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

कैथल। साहित्य सभा की मासिक काव्य गोष्ठी आरकेएसडी कॉलेज में हुई। अध्यक्षता साहित्यकार हरीश झंडई ने की और संचालन रिसाल जांगड़ा ने किया। ईश्वर गर्ग ने गोष्ठी का आगाज करते हुए कहा कि सत्ता को ललकार रहे हो पागल हो क्या, सूरज को ठोकर मार रहे हो पागल हो क्या? औरत जात निशाने पर जिनके, तुम उनको ही पुचकार रहे हो पागल हो क्या? रविंद्र कुमार रवि ने कहा कि वंदना को सामान कर गया, मुझे वो हैरान कर गया है, तु हारे चेहरे का तबस्सुम, मेरा तो नुकसान कर गया है। सोहन लाल सोनी ने कहा-देखे इसे भतेरे लोग, न तेरे न मेरे लोग।

अशोक आत्रेय ने कहा कि ये बादल, ये पंछी, ये हवाएं न रुकती किसी के रोके। सतबीर जागलान ने चौपाल में रखे हुक्के की विशेषता हरियाणवी अंदाज में पेश की व कहा कि थ्याई आला होक्का बणा कै राख्या था भाईचारा। छात्रों को सीख देते हुए अशोक कुमार ने कहा कि जागो अब तो नींद से जागो, देर हुई बड़ी देर हुई, छात्र हितों की बात करो तुम, नहीं तो शिक्षा ढेर हुई। दिलबाग ने कहा कि मायूस हैं मंहगाई से भावनाएं, फिर भी नववर्ष की शुभकामनाएं। टी सी अग्रवाल ने एक भजन सुनाया। सतीश शर्मा ने मां सरस्वती से वंदना की। डॉ. चतुरभुज ने कहा कि भारत देश की संस्कृति सै सब देशा तै न्यारी। नीरू मेहता ने कहा कि मौत से क्यूं डरूं मैं मरने से पहले क्यूं मरूं मैं। मधु गोयल ने कृष्ण को याद करते हुए कहा कि कृष्णा को कैसे भूलूं मैं गोप बन घर में आ गया। मेहरू शर्मा ने लोहड़ी की बधाई देते हुए कहा कि देखो लोहड़ी आई जी, छोटयां न्यूं बड्डयां न्यूं लख-लख बधाई जी। प्रीतम शर्मा ने बाल कविता सुनाई। बाल कवि युवराज ने सुभाष चंद्र कविता सुनाई। लहणा सिंह अत्री ने भोलू के सुझाव कविता सुनाई। गोष्ठी के दौरान लहणा सिंह अत्री की पुस्तक क्यां का करै गुमान बावले व टीसी अग्रवाल की पुस्तक मेहनत मेरी रहमत तेरी का विमोचन किया। श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि नए भारत को किसकी लगी है नजर। कुलविंदर कौर ने कहा तुने ज्ञान की ज्योत जलाई, तेरी ऊं ची जग में शान के रुतबा न्यारा है। रामफल गौड़ ने मोबाइल के बारे में कहा कि इस दुनिया का कर दिया नजारा। कर्मचंद केसर ने कहा कि बदला करया सामान इतना, ज्याएं तै परेशान इतना। कृष्णानंद ने लोकाचार के बाद मंगलाचार किया। रिसाल जांगड़ा ने कहा कि इधर आंदोलन समर्थक उधर विरोधी समर्थकों ने भड़काऊ भाषण दिए। अमृत लाल मदान ने गणतंत्र दिवस की मुल्तानी भाषा में बधाई दी। गोष्ठी के अंत में डॉ. हरीश झंडई ने अध्यक्षीय टिप्पणी की।

मासिक गोष्ठी में भाग लेते साहित्यकार।

जागरण सिटी कैथल IV दैनिक जागरण पानीपत, 12 अक्टूबर, 2020

आयोजन

साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी आरकेएसडी बीएड कालेज में हुई आयोजित

बिटिया तुम घर आती रहना, घर आंगन महकाती रहना...

जागरण संवाददाता, कैथल : साहित्य सभा की मासिक गोष्ठी आरकेएसडी बीएड कालेज में हुई। करीब सात महीने के बाद गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध साहित्यकार अमृतलाल मदान ने की एवं संचालन डा. प्रद्युम्न भल्ला ने किया। गोष्ठी का आगाज पूंडरी से पधारे युवा गजलकार दिनेश बंसल ने कहा, कसूर अपना गिटाया किसकी नहीं चाहत मैं, बस इतनी राम कहानी है हम दीवाने की।

दिलबाग सिंह बाग ने कहा, ना जाने किस कोने में पड़ी है मुर्दे की बात, मजदूर ने सिसक सिसक के गुजारी पूरी रात। श्याम सुंदर गौड़ ने कहा, बदल रहे आज के हालात, जेहन में उठ रहे कई सवालात।

ईश्वर गर्ग ने कहा कि घर घर देखकर रोशन चिराग, मैं हवाओं के कहर भर आया। डा. प्रद्युम्न भल्ला ने अध्यात्म के साथ-साथ बेटी के प्रति पिता के भाव यूं व्यक्त किए, बिटिया तुम घर आती रहना, घर आंगन महकाती रहना, सुख के नगमे गाती रहना, इस घर का मान बढ़ाती रहना।

रामफल गौड़ ने अपनी बात कुछ इस अंदाज में कहा, कै बैरा कै रूल्ल प्यार के, फिर भी बोये फूल प्यार के। गजलकार रविंद्र कुमार रवि ने कहा, बंदिश द्वार खुले तो मैं मानूं है गजल आमजन की बात बोली तो मैं मानूं है गजल। नीरू मेहता ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा, जब सब कुछ लुट जाने के बाद, समाज को आए न्याय की याद। चेतन चौहान ने कहा, यह भी तो अपना एक सख्त इम्तिहान है, चुप हैं, जबकि सच है, मुंह में जबान है।

विकास भारती ने कविता संसद के माध्यम से राजनीतिक परिस्थितियों पर व्यंग किया। मधु गोयल ने कहा, रक्त की करो वंदना बार से बारंबार, शुद्ध रक्त है आपके जीवन का आधार। रिसाल जांगड़ा ने कहा, भाषा धर्म जात की छिड़ी हुई है जंग, ढांचा आज समाज का कती हो लिया भंग। साहित्यकार कमलेश शर्मा ने कहा, अब अंधेरों से घिरा हूं तो क्या यह संभव है कि यह समय नहीं रहेगा सदा, मुझे चलना है कि कोई सुनहरी निखार रही होगी मेरी राह।

डा. हरीश झंडई ने अपने मन के भाव कुछ इस तरह व्यक्त किए, दो पल बैठे गरीब के पास, बांटे दुख दर्द दो दो पल। अशोक अत्रि ने कहा, लेने देने में आप ही गए सब माहिर सरकार को अब घोटाले बाज चाहिए।

डा. चतुर्भुज बंसल ने अपनी हाजिरी कुछ इस तरह से लगवाई, बस पीहर तो मां गैल्या हो से, और झूठा लाना हो से। अमृतलाल मदान ने नई विधा को पेश करते हुए कहा, उनकी जानगी देखिए, मैं मजबूर, पाखरस से डर, दो गज दूर।

आरकेएसडी बीएड कालेज में मासिक काव्य गोष्ठी में भाग लेते साहित्य सभा के सदस्य। • जागरण